भारत सरकार

संचार मंत्रालय

डाक विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4186

उत्तर देने की तारीख 26 मार्च, 2025

डाकघरों का कम्प्यूटरीकरण एवं डिजिटलीकरण

4186. श्री जगन्नाथ सरकार :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पश्चिम बंगाल में वर्तमान में कार्यशील कुल प्रधान डाकघरों (एचओ), उप डाकघरों (एसओ) और शाखा डाकघरों (बीओ) की संख्या सहित जिलावार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या विगत पांच वर्षों के दौरान पश्चिम बंगाल में डाकघरों की संख्या में कोई वृद्धि या कमी हुई है और किसी डाकघर के बंद होने या स्थानांतरित होने के क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार को पश्चिम बंगाल में कई डाकघरों में कर्मचारियों की कमी, डाक वितरण में देरी और खराब अवसंरचना के बारे में जानकारी है और यदि हां, तो इन मुद्दों को दूर करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं;

(घ) पश्चिम बंगाल में डाकघरों के कम्प्यूटरीकरण और डिजिटलीकरण की स्थिति क्या है;

(ङ) क्या सभी डाकघरों को कोर बैंकिंग और डिजिटल भुगतान प्रणाली के साथ एकीकृत किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या पश्चिम बंगाल के अविकसित या उच्च मांग वाले क्षेत्रों में नए डाकघर स्थापित करने के लिए कोई प्रस्ताव लंबित है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री

(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) पश्चिम बंगाल में कुल 8783 डाकघर प्रचालनरत हैं, जिनमें से 46 प्रधान डाकघर, 1669 उप-डाकघर और 7068 शाखा डाकघर हैं। जिला-वार ब्यौरा अनुबंध में प्रदान किया गया है।

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान पश्चिम बंगाल में 20 नए डाकघर स्थापित किए गए हैं।

(ग) रिक्त पदों को भरना एक सतत प्रक्रिया है और इसे नियमित रूप से विभागीय पदोन्नति समिति की बैठकों, विभागीय परीक्षाओं, कर्मचारी चयन आयोग द्वारा सीधी भर्ती एवं जीडीएस के ऑनलाइन नियोजन संबंधी पोर्टल के माध्यम के साथ-साथ संगत भर्ती नियमों के प्रावधानों के अनुसार अलग-अलग डाक सर्कलों द्वारा भी पूरा किया जाता है। पार्सलों की पूर्णतः सुरक्षित डिलिवरी के कार्य में तेजी लाने के उद्देश्य से ऑनलाइन ट्रैक एंड ट्रेस सुविधा और डिलिवरी संबंधी सूचना के रियल टाइम अपडेशन आदि के साथ डाक सड़क परिवहन नेटवर्क स्थापित किया गया है। आईटी 2.0 के अंतर्गत, पश्चिम बंगाल सर्कल के माध्यम से फील्ड डाकघरों के लिए विभिन्न फील्ड इंफ्रा संबंधी सामान प्रदान किया गया है जिसमें डेस्कटॉप, प्रिंटर, लैपटॉप, मोबाइल फोन, थर्मल प्रिंटर, बायोमीट्रिक स्कैनर, पासबुक प्रिंटर, टैबलेट, प्रोजेक्टर, यूएसबी, कैमरा, वीसी सिस्टम, यूपीएस आदि शामिल हैं।

(घ) और (ङ) पश्चिम बंगाल में सभी डाकघर कंप्यूटरीकृत हैं। एक उप-डाकघर (गजोलडोबा उप-डाकघर) को छोड़कर अन्य सभी डाकघरों को कोर बैंकिंग प्लेटफॉर्म पर माइग्रेट कर दिया गया है। वर्तमान में, डिजिटल भुगतान की सुविधा सभी प्रधान डाकघरों और शाखा डाकघरों में उपलब्ध है।

(च) नए डाकघर खोले जाना एक सतत प्रक्रिया है। नए डाकघर, निर्धारित मानदंडों के आधार पर ऐसे क्षेत्रों में खोले जाते हैं, जहां उन्हें खोले जाना आवश्यक और औचित्यसम्मत हो। पश्चिम बंगाल में फिलहाल दो प्रस्ताव प्रक्रियाधीन हैं। इनमें से एक पश्चिम बर्धवान जिले में नया उप-डाकघर खोलने और दूसरा दार्जिलिंग जिले में नया शाखा डाकघर खोलने से संबंधित है।

अनुबंध

'डाकघरों का कम्प्यूटरीकरण एवं डिजिटलीकरण' विषय के संबंध में दिनांक 26.03.2025 के लोक सभा के अतारांकित प्रश्न सं. 4186 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

जिले का नाम	**डाकघरों की संख्या (प्रधान डाकघर, उप-डाकघर और शाखा डाकघर)**
कोलकाता	214
दक्षिण 24 पीजीएस	805
उत्तर पीजीएस	662
नादिया	459
मुर्शिदाबाद	587
बीरभूम	478
पूर्व बर्धवान	542
पश्चिम बर्धवान	217
हावड़ा	344
हुगली	511
पुरूलिया	445
पश्चिम मिदनापुर	596
पूर्वी मिदनापुर	635
झारग्राम	188
बांकुरा	492
जलपाईगुड़ी	210
अलिपुरद्वार	158
कूचबिहार	303
कलिम्पोंग	45
दार्जिलिंग	178
मालदा	338
उत्तर दिनाजपुर	207
दक्षिण दिनाजपुर	169
कुल	**8783**

*****